DPL–01

June – Examination 2023

Diploma in Prakrit Language Examination

प्रमुख प्राकृत भाषाएँ एवं प्राकृत साहित्य की विविध विधाएँ

Paper : DPL-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) अर्धमागधी प्राकृत की वर्णमाला में स्वरों का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) आचार्य हेमचन्द्र रचित व्याकरण ग्रन्थ का क्या नाम है ?

(iii) शौरसेनी प्राकृत में पव्वदो शब्द किसके लिए प्रयुक्त होता है ?

(iv) तिलोयण्णपत्ति किनकी रचना है ?

(v) महाराष्ट्री प्राकृत के कालों का नामोल्लेख कीजिए।

(vi) वर्तमान काल अन्यपुरुष में दि तथा दे प्रत्यय किस भाषा में होते हैं ?

(vii) प्राकृत में मुक्तक काव्य का प्रतिनिधिग्रन्थ कौनसा है ?

(viii) विमलसूरि का काल कौनसा है ?

(ix) नायिका प्रधान चरित काव्य का नाम लिखिए।

(x) आचार्य हेमचन्द्र के अनुसार दृश्य काव्य के कितने भेद हैं ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. अर्धमागधी प्राकृत के कृदन्त रूपों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

3. जैन साहित्य में छेदसूत्रों पर प्रकाश डालिए।

4. शौरसेनी प्राकृत के नामकरण की समीक्षा कीजिए।

5. अष्ठपाहुड को स्पष्ट कीजिए।

6. गाहासत्तसई के वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए।

7. लीलावई महाकाव्य में प्रकृति चित्रण का वर्णन कीजिए।

8. गउडवहो महाकाव्य में मुख्य रस कौनसा है ? लेख लिखिए।

9. लीलावई में छन्दविधान को संक्षेप में समझाइये।

खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. संस्कृत नाटकों में प्राकृत प्रयोग पर एक लेख लिखिए।

11. "सुरसुनदरीचरियं एक नायिका प्रधान काव्य है" इस पंक्ति की समीक्षा कीजिए।

12. प्राकृत दार्शनिक साहित्य में सन्मति प्रकरण का महत्त्व स्प्ष्ट कीजिए।

13. प्राकृत कोश साहित्य का विशद वर्णन कीजिए।